भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश्वर
Indian Institute of Technology Bhubaneswar

प्रेस विज्ञप्ति

रिसर्च और एकेडमिक सहयोग को मज़बूत करने के लिए आईआईटी भुवनेश्वर और सीएसआईआर-सीबीआरआई के बीच समझौता

भुवनेश्वर, 16 जून 2026: भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) भुवनेश्वर ने भवन निर्माण विज्ञान, सिविल इंजीनियरिंग, टिकाऊ बुनियादी ढांचे और संबद्ध विषयों के क्षेत्रों में सहयोगात्मक अनुसंधान, अकादमिक आदान-प्रदान और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए सीएसआईआर-सेंट्रल बिल्डिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट (सीएसआईआर-सीबीआरआई), रूड़की के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। एमओयू पर 15 जून 2026 को प्रोफेसर श्रीपाद कर्मलकर, निदेशक, आईआईटी भुवनेश्वर और प्रोफेसर आर. प्रदीप कुमार, निदेशक, सीएसआईआर-सीबीआरआई द्वारा हस्ताक्षर किए गए। इस अवसर पर प्रो. वी. पांडु रंगा, डीन-इन-चार्ज (प्रायोजित अनुसंधान एवं औद्योगिक परामर्श); प्रो. सुमंत हलदार, प्रमुख, स्कूल ऑफ इन्फ्रास्ट्रक्चर; डॉ. डी. पी. कनूंगो, प्रमुख, भू-तकनीकी अभियांत्रिकी एवं भू-जोखिम (जियोहैज़र्ड्स) समूह, सीएसआईआर-सीबीआरआई, रुड़की; डॉ. एस. के. पाणिग्रही, प्रमुख, प्रौद्योगिकी एवं व्यवसाय विकास समूह, सीएसआईआर-सीबीआरआई, रुड़की; तथा डॉ. किशोर कुलकर्णी, वैज्ञानिक 'ई', सीएसआईआर-सीबीआरआई, रुड़की उपस्थित थे।

इस साझेदारी का मकसद दोनों संस्थानों की विशेषज्ञता और संसाधनों का इस्तेमाल करके स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग, जियोटेक्निकल इंजीनियरिंग, इंजीनियरिंग जियोलॉजी, आर्किटेक्चर और प्लानिंग, एनवायरनमेंटल इंजीनियरिंग, आपदा न्यूनीकरण और टिकाऊ निर्माण तकनीकों जैसे क्षेत्रों में रिसर्च को आगे बढ़ाना और कुशल मैनपावर तैयार करना है। MoU के तहत, IIT भुवनेश्वर और CSIR-CBRI मिलकर रिसर्च गतिविधियां करेंगे, कॉन्फ्रेंस और सेमिनार आयोजित करेंगे, छात्रों और फैकल्टी के लिए इंटर्नशिप की सुविधा देंगे, और छात्रों के प्रोजेक्ट और रिसर्च कार्यों में मिलकर गाइडेंस देने को बढ़ावा देंगे। यह समझौता एकेडमिक और रिसर्च के जुड़ाव को मजबूत करने के लिए रिसर्च सुविधाओं, लेबोरेटरी इंफ्रास्ट्रक्चर, सॉफ्टवेयर संसाधनों और लाइब्रेरी सेवाओं को साझा करने में भी मदद करेगा।

इस मौके पर आईआईटी भुवनेश्वर के डायरेक्टर प्रोफ़ेसर श्रीपाद करमलकर ने कहा कि इस सहयोग से छात्रों, रिसर्चर्स और फैकल्टी सदस्यों के लिए राष्ट्रीय महत्व की चुनौतियों पर काम करने और मज़बूत व टिकाऊ इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास में योगदान देने के नए अवसर पैदा होंगे।

सीएसआईआर-सीबीआरआई के डायरेक्टर प्रो. आर. प्रदीप कुमार ने कहा कि यह साझेदारी दोनों संस्थानों की खूबियों को मिलाकर बिल्डिंग साइंस और टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में उच्च-गुणवत्ता वाले रिसर्च और इनोवेशन को बढ़ावा देगी।

सीएसआईआर-सीबीआरआई, जो काउंसिल ऑफ़ साइंटिफिक एंड इंडस्ट्रियल रिसर्च (सीएसआईआर) के तहत एक प्रमुख राष्ट्रीय प्रयोगशाला है, निर्माण सामग्री, आवास, स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग, ऊर्जा-कुशल इमारतों, अग्नि सुरक्षा और आपदा न्यूनीकरण के क्षेत्र में अनुसंधान में सबसे आगे रही है। आईआईटी भुवनेश्वर, जो राष्ट्रीय महत्व का संस्थान है, शिक्षा, अनुसंधान और तकनीकी नवाचार में अपनी उत्कृष्टता के लिए जाना जाता है।

यह समझौता ज्ञापन (एमओयू) प्रारंभिक रूप से पाँच वर्षों की अवधि के लिए प्रभावी रहेगा और इसके माध्यम से अवसंरचना क्षेत्र में अनुसंधान, नवाचार तथा क्षमता निर्माण के लिए दीर्घकालिक सहयोग का मार्ग प्रशस्त होने की अपेक्षा है।